लोगों की बढ़ती मांग को देखते हुए

17 नवज़्बर को विमोचित होगी आचार्य महाप्रज्ञ की नवीन पुस्तक

महाप्रयाण से 8 घण्टे पूर्व ही सज़्ादक मुनि जयंतकुमार ने की थी इस पर चर्चा

15 नवज़्बर, 2010

मानवता के मसीहा आचार्य महाप्रज्ञ की नवीन पुस्तक 'जो सहता है, वही रहता है' का विमोचन 17 नवज़्बर को प्रात: 9.30 बजे प्रवचन कार्यक्रम के दौरान तेरापंथ भवन में किया जायेगा। इस पुस्तक के सज़्ादक मुनि जयंत कुमार ने महाप्रयाण से 8 घंटे पूर्व आचार्य महाप्रज्ञ से पुस्तक के सन्दर्भ में चर्चा की थी। पुस्तक में आचार्य महाप्रज्ञ के वे आलेख है जो किसी न किसी माध्यम से मीडिया वालों तक पहुंचे थे। इन आलेखों को नये रूप में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में ध्यान, मंत्र और आसन के प्रयोग देकर बदलाव की प्रक्रिया पर विशेष बल दिया गया है। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जीवन को बदलने वाले स्वर्णिम सूत्रों को संजोये इस पुस्तक की पाठकों में मांग बढ़ती जा रही है।

पुस्तक के सज़्ादक मुनि जयंतकुमार ने बताया कि मैं चाहता था इस पुस्तक को आचार्य महाप्रज्ञ के 91वें जन्म दिवस पर विशेष उपहार के तौर पर उनको समर्पित करूं पर अचानक महाप्रयाण होने पर यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। अंतिम समय में परम पूज्य गुरुदेव से बातचीत हुई थी, उसी संकल्प को एवं अपनी इच्छा को पूरा करते हुए 17 नवज़्बर को तेरापंथ भवन में पुस्तक आचार्य महाश्रमण को कर रहा हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है, आचार्य महाप्रज्ञ की यह पुस्तक पाठकों के जीवन को नई दिशा देगी और सज़्यक् दशा का निर्माण करेगी।

'ऊंची उड़ान' नाटिका का मंचन 19 को

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में 19 नवज़्बर की रात्रि 7 बजे भ्रूण हत्या निषेध पर 'ऊंची उड़ान' वाटिका का मंचन किया जायेगा। अणुव्रत भावना पर आधारित इस नाटिका के द्वारा कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाओं पर समाज का ध्यान आकृष्ट करने के साथ ही उसके दुष्प्रभावों एवं हिंसक भावनाओं पर प्रकाश डाला जायेगा। इस नाटिका का प्रायोजन डॉ. धनपत लूणिया एवं श्रीमती कुसुम लुणिया के निर्देशन में किया जायेगा। श्रीमती लूणिया ने भ्रूण हत्या पर एक उपन्यास का लेखन भी कर चुकी है।

तप अभिनन्दन समारोह

सत्यवादिता से ही विश्वास बढ़ता है : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 15 नवज़्बर, 2010

आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा तेरापंथ भवन में चातुर्मास के दौरान तपस्या करने वाले भाई-बहिनों का मोमेंटों द्वारा सज़्मान किया गया। जिसमें लगभग 150 तपस्वियों को राजेन्द्र आंचलिया, स्थानीय तेयुप अध्यक्ष गौतम बाफना, तेयुप मंत्री कमलेश आंचलिया, एसडीएम लोकेश सहल ने मोंमेंटो द्वारा सज़्मान किया।

आचार्य महाश्रमण ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आदमी को निर्जरा के लिए साधना करनी चाहिए, चातुर्मास के दिनों में अनेकों तपस्याएं चलती है, तपस्या के द्वारा कई जन्मों के कर्म क्षीण हो जाते हैं, कर्मों को काटने के लिए तपस्या करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति में गुस्सा, अहंकार नहीं होता है, झूठ नहीं बोलता है उस व्यक्ति का जीवन धन्य होता है। आदमी को छलना के साथ झूठ बोलने का प्रयास नहीं करना चाहिए। समूह में रहकर जीवन जीना है तो गुस्से से बचने का प्रयास करना चाहिए भय और गुस्सा मनुष्य की दुर्बलता है। सत्यवादिता जीवन में रहती है उस आदमी का विश्वास बढ़ता है।

इस अवसर पर साध्वी सौज़्ययशा ने अपनी दीक्षा पर्याय के 25 वर्ष पूर्ण कर 26वें वर्ष में प्रवेश पर अपनी भावनाएं व्यक्त की। उत्तर हावड़ा से आएं संघ ने अपनी भावनाएं गीतिका के माध्यम से व्यक्त की।

समारोह में एसडीम लोकेश भी विशेष रूप से उपस्थित थे जिनका सज़्मान अमृत सांसद श्रीचन्द नौलखा, तेयुप अध्यक्ष गौतम बाफना, तप अभिनन्दन समारोह के संयोजक पारस बुच्चा ने किया।

आचार्यश्री महाश्रमण का 16 नवज़्बर से 19 नवज़्बर तक संभावित यात्रा कार्यक्रम

16.11.2010 सुबह 7.15 बजे तेरापंथ भवन से मंगलनिवास बाग, मुन्नालाल सेठिया के वहां रात्रि विश्राम।

17.11.2010 सुबह 7.15 बजे मुन्नालाल सेठिया बाग से विहार कर तेरापंथ भवन पहुंचेंगे।

17.11.2010 सायं 4.30 बजे तेरापंथ भवन से विहार कर गांधी विद्या मन्दिर, दीपचन्द नाहटा के मकान में रात्रि विश्राम करेंगे।

18.11.2010 सुबह 7.15 बजे समाधि स्थल पधारेंगे जहां आचार्य महाप्रज्ञ की समाधि स्थल पर शिलान्यास का कार्यक्रम होगा, कार्यक्रम के पश्चात मालू फार्म हाउस पहुंचेगे रात्रि विश्राम मालू फार्म हाउस में ही करेंगे।

19.11.2010 प्रात: 7.15 बजे मालू फार्म हाउस से विहार कर तेरापंथ भवन पधारेंगे।